कक्षा : 10 वी	प्रथम सत्रांत परीक्षा	X
समय : 3 घंटे	विषय : हिन्दी (L2) (द्वितीय भाषा)	कुल अंक : 80
S.No.	कृतिपत्रिका माध्यम : मराठी	हिन्दी (L2)

विभाग 1 - गद्य (20 अंक)

प्रश्न 1. अ. पठित परिच्छेद पढकर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए । (08)

बच्चे खेलने लगे । एक कुर्सी पर चढा तो दूसरा मेज पर। सोनाबाई की छोटी लडकी दवा की शीशी लेकर कथकली डांस करने लगी । रुप-रुप की आवाज ने मेरा ध्यान बँटाया । क्या देखता हूँ कि सोनाबाई का एक लडका मेरी टाँग के साथ लटक रही रेती की थैली पर बॉक्सिंग की प्रैक्टिस कर रहा है । मैं इसके पहले कि उसे मना करता, सोनाबाई की लडकी ने दवा की शीशी पटक दी । सोनाबाई ने एक पल लडकी को घूरा, फिर हँसते हुए बोली - "भैया, पेडे खिलाओ, दवा गिरना शुभ होता है । दवा गई समझो बीमारी गई ।" इसके दो घंटों बाद सोनाबाई गई, यह कहकर कि फिर आऊँगी । मैं भीतर तक काँप गया ।

कुछ लोग तो औपचारिकता निभाने की हद कर देते हैं, विशेष कर वे रिश्तेदार जो दूसरे गाँवों से मिलने आते हैं । ऐसे में एक दिन एक टैक्सी कमरे के सामने आकर रुकी । उसमें से निकलकर एक आदमी आते ही मेरी छाती पर सिर रखकर औंधा पड रोने लगा और कहने लगा - 'हाय, तुम्हें क्या हो गया ? कारवालों का सत्यानाश हो ।" मैंने दिल में कहा कि मुझे जो हुआ सो हुआ, पर तू क्यों रोता है, तुझे क्या हुआ ? वह थोडी देर मेरी छाती में मुँह गडाए रोता रहा । फिर रोना कुछ कम हुआ । उसने मेरी छाती से गरदन हटाई और जब मुझसे आँख मिलाई, तो एकदम चुप हो गया ।

1) संजाल पूर्ण कीजिए । (02)

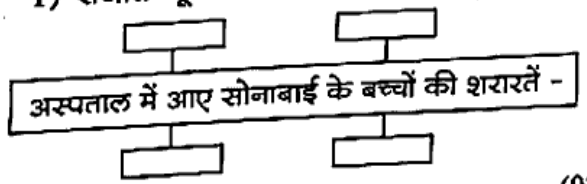

2) आकृती पूर्ण कीजिए । (02)

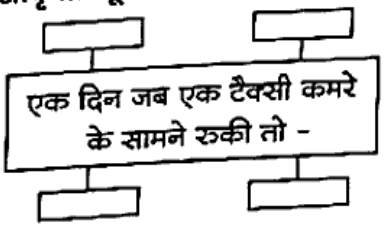

3) 1) परिच्छेद में प्रयुक्त शब्द-युग्म ढूँढकर लिखिए । (01)

i) ..... ii) .....

2) परिच्छेद में प्रयुक्त अंग्रेजी शब्द ढूँढकर लिखिए । i) ..... ii) ..... (01)

4) (स्वमत अभिव्यक्ति) (02)

'मरीज से मिलने जाते समय कौन-कौन-सी सावधानियाँ बरतनी चाहिए' इस विषय पर अपने विचार लिखिए ।

प्रश्न 1. आ. पठित परिच्छेद पढकर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए । (08)

गो. प्रसाद : खूबसूरती पर टैक्स ! (रामस्वरूप और शंकर हँस पडते हैं ।) मजाक नहीं साहब, यह ऐसा टैक्स है जनाब कि देने वाले चूँ भी न करेंगे ।

रामस्वरूप : (जोर से हँसते हुए) वाह-वाह । खूब सोचा आपने! वाकई आजकल खूबसूरती का सवाल भी बेढब हो गया है। हम लोगों के जमाने में तो यह कभी उठता भी न था । (तश्तरी गोपाल की तरफ बढाते हैं ।) लीजिए ।

गो. प्रसाद : (समोसा उठाते हुए) कभी नहीं साहब, कभी नहीं।

रामस्वरूप : (शंकर की तरफ मुखातिब होकर) आपका क्या खयाल है शंकर बाबू ?

शंकर : किस मामले में ?

रामस्वरूप : यही कि शादी तय करने में खूबसूरती का हिस्सा कितना होना चाहिए ।

गो. प्रसाद : (बीच में ही) यह बात दूसरी है बाबू रामस्वरूप, मैंने आपसे पहले भी कहा था, लडकी का खूबसूरत होना निहायत जरूरी है और जायचा (जन्म पत्र) तो मिल ही गया होगा ।

रामस्वरूप : जी, जायचे का मिलना क्या मुश्किल बात है । ठाकुर जी के चरणों में रख दिया । बस, खुद-ब-खुद मिला हुआ समझिए । (शंकर भी हँसता है, मगर गोपाल प्रसाद गंभीर हो जाते हैं ।)

गो. प्रसाद : लडकियों को अधिक पढने की जरूरत नहीं है । सिलाई-पुराई कर लें बस ।

1) कृति पूर्ण कीजिए । (02)

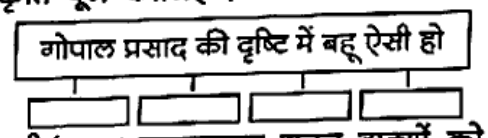

2) सही/गलत पहचानकर गलत वाक्यों को सही करके पुनः लिखिए । (02)

i) रामस्वरूप के अनुसार आजकल बदसूरती का सवाल बेढब हो गया है ।

ii) गोपाल प्रसाद के अनुसार लडकी का खूबसूरत होना निहायत जरूरी है ।

3) 1) समानार्थी शब्दों की जोडियाँ तैयार कीजिए । (01)

i) भाग = ... ii) खूबसूरत = ...

https://www.maharashtrastudy.com

2) निम्नलिखित शब्दों में उपसर्ग जोडकर नए शब्द लिखिए । (01)

i) बस ii) आजन्म

4) (स्वमत अभिव्यक्ति) (02)

'स्त्री शिक्षा' के संदर्भ में अपने विचार लिखिए।

प्रश्न 1. इ. निम्नलिखित अपठित परिच्छेद पढकर सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए । (04)

स्वाधीनता मनुष्य का जन्मसिद्ध अधिकार है । मनुष्य तो क्या सृष्टी के छोटे-बडे सभी प्राणियों को यह अधिकार समान रुप से प्राप्त है । जिस किसी भी प्रत्यक्ष-अप्रत्यक्ष कारण से इसकी अप्राप्ति ही पराधीनता कहलाती है । पराधीनता में प्राणी की प्रवृत्तियाँ कुंठित होकर रह जाती है । कई बार तो पराधीनता का भाव व्यक्ति की, अन्य प्राणियों की सोचने-समझने तक की शक्तियों का अपहरण कर लेता है । इसी कारण सब प्रकार के स्वर्ग-सुख मिलने पर भी कोई प्राणी पराधीन बनकर रहना नही चाहता। सोने के पिंजरे में बंद तोता भी कभी सुखी नही रहता है । इसी भावना से अनुप्राणित होकर वह अपने पंख और सिर बार-बार पिंजरे की सलाखों से टकराता है, ताकि उन्हें तोडकर दूर गगन में, खुले आसमान में उड जाए या सघन डालियाँ पर बैठकर उन्मुक्त मधुर स्वरों में गीत गाए । जब एक अज्ञानी पक्षी में स्वाधीनता की इतनी तडप दिखाई देती है, तो फिर बुद्धिमान सजीव और सशक्त मनुष्य का तो कहना ही क्या पराधीन व्यक्ति का अपना किसी प्रकार का व्यक्तित्व नहीं होता ।

1) आकृति पूर्ण कीजिए । (02)

i) मनुष्य का जन्मसिद्ध अधिकार है

ii) पराधीनता को अभिशाप क्यों कहा है ?

2) स्वमत (02)

तोते का उदाहरण देकर लेखक क्या स्मरण कर रहा है ?

विभाग 2 - पद्य (12 अंक)

प्रश्न 2. अ. निम्नलिखित पठित पद्यांश पढकर सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए । (06)

मेरे तो गिरधर गोपाल, दूसरो न कोई
जाके सिर मोर मुकट, मेरो पति सोई
छाँडि दई कुल की कानि, कहा करिहै कोई ?
संतन ढिग बैठि-बैठि, लोक लाज खोई ।
अँसुवन जल सींचि-सींचि प्रेम बेलि बोई ।
अब तो बेल फैल गई आणँद फल होई ।।
दूध की मथनियाँ बडे प्रेम से बिलोई ।
माखन जब काढि लियो छाछ पिये कोई ।।
भगत देखि राजी हुई जगत देखि रोई ।
दासी 'मीरा' लाल गिरिधर तारो अब मोही ।।

1) संजाल पूर्ण कीजिए । (02)

मीरा ने कृष्ण-प्रेम के लिए यह किया -

2) प्रवाह तालिका पूर्ण कीजिए । (02)

कन्हैय्या की विशेषताएँ

3) उपर्युक्त पद्यांश की आखरी चार पंक्तियों का भावार्थ लिखिए । (02)

प्रश्न 2. आ. निम्नलिखित पद्यांश पढकर सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए । (06)

एक जुगनू ने कहा मैं भी तुम्हारे साथ हूँ,
वक्त की इस धुंध में तुम रोशनी बनकर दिखो ।
एक मर्यादा बनी है हम सभी के वास्ते,
गर तुम्हें बनना है मोती सीप के अंदर दिखो ।
डर जाए फूल बनने से कोई नाजुक कली,
तुम ना खिलते फूल पर तिलली के टूटे पर दिखाओ ।
कोई ऐसी शक्ल तो मुझको दिखे इस भीड में,
मैं जिसे देखूँ उसी में तुम मुझे अक्सर दिखो ।

1) आकृति पूर्ण कीजिए । (02)

गजल में प्रयुक्त प्राकृतिक घटक

2) सही विकल्प चुनकर वाक्य फिर से लिखिए।

i) वक्त की इस धुंध में तुम ..... बनकर दिखो । (02)

(सितारा / चिराग / रोशनी)

ii) हम सभी के लिए एक ..... है ।

(दुनिया / मर्यादा / मंच)

iii) कोई ..... कली फूल बनने से डर जाए ।

(छोटी / सुंदर / नाजुक)

iv) कोई ऐसी शक्ल तो मुझको दिखे इस ..... में ।

(भीड / संसार / घर)

3) उपर्युक्त पद्यांश की प्रथम चार पंक्तियों का भावार्थ लिखिए । (02)

https://www.maharashtrastudy.com

विभाग 3 - पूरकपठन (08 अंक)

प्रश्न 3. अ. निम्नलिखित पठित परिच्छेद पढकर सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए । (04)

हमारे अंदर की दुनिया बाहर की दुनिया से कहीं ज्यादा बडी है । हम उसका विस्तार नहीं करते । बाहर की अपेक्षा उसे छोटा करते चले जाते हैं और उसे बिल्कुल निर्जीव कर लेते हैं । आजादी, पूरी आजादी, अगर कहीं संभव है तो इसी भीतरी दुनिया में ही, जिसे हम बिलकुल अपनी तरह समृद्ध बना सकते हैं-स्वार्थी अर्थों में सिर्फ अपने लिए ही नहीं, निःस्वार्थी अर्थों में दूसरों के लिए भी महत्त्व रखता है और स्वयं अपने लिए तो विशेष महत्त्व रखता ही है ।

जिस गली में आजकल रहता हूँ-वहाँ एक आसमान भी है लेकिन दिखाई नहीं देता । उस गली में पेड भी नहीं हैं, न ही पेड लगाने की गुंजाइश ही है । मकान ही मकान हैं । इतने मकान कि लगता है मकान पर मकान लदे हैं । लंद-फंद मकानों की एक बहुत बडी भीड, जो एक सँकरी गली में फँस गई और बाहर निकलने का कोई रास्ता नहीं है । जिस मकान में रहता हूँ, उसके बाहर झाँकने से 'बाहर' नहीं सिर्फ दूसरे मकान और एक गंदी व तंग गली दिखाई देती है । चिडियाँ दिखती हैं, लेकिन पेडों पर बैठीं या आसमान में उडतीं हुई नहीं । बिजली या टेलीफोन के तारों पर बैठी, मगर बातचीत करतीं या घरों के अंदर यहाँ-वहाँ घोंसले बनाती नहीं दिखतीं । उन्हें देखकर लगता मानो वे प्राकृतिक नहीं, रबड या प्लास्टिक के बने खिलौने हैं, जो शायद ही इधर-उधर फुदक सकते हों या चूँ-चूँ की आवाजें निकाल सकते हों ।

मैं ऐसी सँकरी और तंग गली में, मकानों की एक बहुत बडी भीड से बिजली या टेलीफोन के तारों से उलझे आसमान से एवं हरियाली के अभाव से जूझते अपने मुहल्ले से बाहर निकलने की भारी कोशिश में हूँ ।

1) प्रवाह तालिका पूर्ण कीजिए । (02)

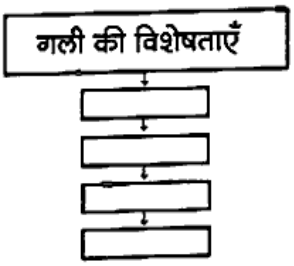

2) स्वमत/अभिव्यक्ति

'पक्षियों की घटती संख्या' विषय पर 25 से 30 शब्दों में अपने विचार लिखिए । (02)

प्रश्न 3. आ. निम्नलिखित पठित पद्यांश पढकर दी गई सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए । (04)

खारे जल से धुल गए विषाद मन पावन । मन की पीडा छाई बन बादल बरसीं आँखें । चलतीं साथ पटरियाँ रेल की फिर भी मौन । सितारे छिपे बादलों की ओट में सूना आकाश ।	मृत्यु को जीना जीवन विष पीना । है जिजीविषा । तुमने दिए जिन गीतों को स्वर हुए अमर । सागर में भी रहकर मछली प्यासी ही रही ।

1) उचित जोडियाँ मिलाइए । (02)

'अ'	'आ'
i) मछली	अ) मौन
ii) गीतों के स्वर	ब) सूना
iii) रेल की पटरियाँ	क) प्यासी
iv) आकाश	ड) अमर
	इ) पीडा

2) स्वमत अभिव्यक्ति (02)

'आँखे देखने के अलावा और भी कई तरह के काम करती है' इस विषय पर 25 से 30 शब्दों में अपने विचार स्पष्ट कीजिए ।

विभाग 4 - भाषा अध्ययन (व्याकरण)

प्रश्न 4. सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए । (14)

1) निम्नलिखित वाक्य में से अधोरेखांकित शब्द का शब्द भेद पहचानकर लिखिए । (01)

हमें अपने देश पर <u>अभिमान</u> है ।

2) निम्नलिखित अव्ययों में से किसी एक अव्यय का अर्थपूर्ण वाक्य में प्रयोग कीजिए । (01)

i) के मारे ii) कभी-कभी

3. कृति पूर्ण कीजिए । (कोई भी एक) (01)

संधि	संधि-विच्छेद	संधि भेद
.....	महा + आत्मा	.....
स्वच्छ	स्व + छ	.....

4) निम्नलिखित वाक्यों में से किसी एक वाक्य की सहायक क्रिया पहचानकर उसका मूल रूप लिखिए । (01)

i) मानू इतना ही बोल सकी ।

ii) लक्ष्मी ने घास छोड दिया ।

https://www.maharashtrastudy.com

5) निम्नलिखित क्रियाओं में से किसी एक क्रिया का प्रथम तथा द्वितीय प्रेरणार्थक रूप लिखिए । (01)

क्रिया	प्रथम प्रेरणार्थक	द्वितीयक प्रेरणार्थक
i) चलना	.....	.....
ii) जीतना	.....	.....

6) निम्नलिखित मुहावरों में से किसी एक मुहावरे का अर्थ लिखकर अपने वाक्य में प्रयोग कीजिए । (01)

i) ताँता लगना ii) चैन न मिल पाना

7) निम्नलिखित वाक्यों में से किसी एक वाक्य में प्रयुक्त कारक चिह्न पहचानकर उसका भेद लिखिए । (01)

i) उसने लक्ष्मी के माथे पर हाथ फेरा ।

ii) गोवा की मांडवी नदी वर्ष भर पानी स भरी रहती है ।

8) निम्नलिखित वाक्य में यथास्थान उचित विराम-चिह्न का प्रयोग करके वाक्य फिर से लिखिए। (01)

मैं कहाँ से पैसे दूँ पहले तो दूध की विक्री के पैसे मेरे पास जमा रहने थे

9) निम्नलिखित वाक्यों में से किन्ही दो वाक्यों का कोष्ठक में दी गई सूचना के अनुसार काल परिवर्तन कीजिए । (02)

i) मानू ससुराल जाती है । (सामान्य भविष्यकाल)

ii) एक चेहरा बडी तेजी से जवाब देता है । (पूर्ववर्तमानकाल)

iii) लक्ष्मी उसकी ओर देखती है । (अपूर्ण भूतकाल)

10) i) निम्नलिखित वाक्य का रचना के आधार पर भेद पहचानकर लिखिए । (01)

संसार का व्यवहार देखकर मुझे दुःख होता है और मैं रो पडती हूँ ।

ii) निम्नलिखित वाक्यों में से किसी एक वाक्य का अर्थ के आधार पर दी गई सूचनानुसार परिवर्तन कीजिए । (01)

अ) उमा ने सितार पर भजन गाया । (निषेध वाक्य)

ब) मेरी टाँग टूटना एक दुर्घटना थी । (प्रश्नवाचक)

11) निम्नलिखित वाक्यों में से किन्ही दो वाक्यों को शुद्ध करके वाक्य फिर से लिखिए।(02)

i) उनके ऊपर अइसा बोज नहीं आएगा, जिससे कि उन्हें परेशानी हो ।

ii) इस सम्बन्ध में कुछ भाई अमेरिका का उदाहरण पेस करते हैं ।

iii) एक-एक करके सद्गुण सज्जन के पास चला आते है।

विभाग 5 - उपयोजित लेखन (26 अंक)

प्रश्न 5. अ. 1) पत्र-लेखन (05)

निम्नलिखित जानकारी के आधार पर पत्र-लेखन कीजिए ।

अशोक/आशा मगदुम, लक्ष्मी नगर, नागपुर से व्यवस्थापक कौस्तुभ पुस्तक भंडार, सदर बाजार, नागपुर को प्राप्त पुस्तकों संबंधी शिकायत करते हुए पत्र लिखता/लिखती है ।

अथवा

श्याम/श्यामा पांडेय, गजानन सोसायटी, तिलक नगर, कोल्हापुर से अपने मित्र/सहेली अमित/अमिता शर्मा, 37, मीरा सोसायटी, नाशिक को कथाकथन प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार प्राप्त होने के उपलक्ष्य में बधाई देते हुए पत्र लिखता/लिखती है ।

2) गद्य आकलन : प्रश्ननिर्मिती (04)

निम्नलिखित गद्यांश पढकर ऐसे चार प्रश्न तैयार कीजिए जिनके उत्तर गद्यांश में एक-एक वाक्य में हो ।

गीता जीवन की कला सिखाती है । जब मैं देखता हूँ कि हमारा समाज आज हमारी संस्कृति के मौलिक सिद्धांतों को अवहेलना करता है, तब मेरा हृदय फटता है । आप चाहे जहाँ जाएँ, परंतु संस्कृति के मौलिक सिद्धांतो को सदैव साथ रखे । संसार के सारे सुख क्षणभंगुर एवं अस्थायी होते है । वास्तविक सुख हमारी आत्मा में ही है । चरित्र नष्ट होने से मनुष्य का सब कुछ नष्ट हो जाता है । संसार के राज्य पर विजयी होने पर भी आत्मा की हार सबसे बडी हार है । यही है हमारी संस्कृति का सार, जो अभ्यास द्वारा सुगम बनाकर कार्यरूप में परिणत किया जा सकता है ।

प्रश्न 5. आ. 1) वृत्तांत लेखन । (05)

महात्मा गांधी स्मारक हाईस्कूल, रत्नागिरी में गए शिक्षक दिवस समारोह का 70 से 80 शब्दों में वृत्तांत लेखन कीजिए ।

अथवा

कहानी लेखन : निम्नलिखित मुद्दों के आधार पर 70 से 80 शब्दों में कहानी लिखकर उसे उचित शीर्षक दीजिए तथा सीख लिखिए ।

गाँव में लडकियाँ - सभी पढने में होशियार - गाँव में पानी का अभाव - लडकियों का घर के कामों में सहायता करना - बहुत दूर से पानी लाना - पढाई के लिए कम समय मिलना - लडकियों का समस्या पर चर्चा करना - समस्या सुलझान का उपाय खोजना - गाँव वालों की सहायता से प्रयोग करना - सफलता पाना - शीर्षक।

2) विज्ञापन लेखन : निम्नलिखित जानकारी के आधार पर लगभग 50 से 60 शब्दों में विज्ञापन तैयार कीजिए । (05)

सचिन स्पोर्ट्स सेंटर, नं. 4, सोलापूर

संपर्क पत्ता | सभी प्रकार की खेल-सामग्री

समय | भारी छूट लकी ड्रा

प्रश्न 5. इ. निबंध लेखन । (07)

निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर लगभग 80 से 100 शब्दों में निबंध लिखिए ।

1) नदी की आत्मकथा 2) "बेटी बचाओ, बेटी पढाओ"

3) यदि मोबाइल न होता तो..

* * * * *

https://www.maharashtrastudy.com